1. Acc. No. :→ 50529. सुन्दर सँगार । सुन्दर कवि कृत ।

2. Acc. No. :→ 50530. नामदेव जी की परिचई । अनन्तदास कृत ।

3. Acc. No. :→ 50531. तिलोचन जी की परिचई । अनन्तदास कृत ।

4. Acc. No. :→ 50532. अंगद जी की परिचई by- अनन्त दास ।

5. Acc. No. :→ 50533. प्रहलाद लीला ।

6. Acc. No. :→ 50534. कबीर के दोहे ।

7. Acc. No. :→ 50535. शकुनावली ।

8. Acc. No. :→ 50536. सुखदेव लीला ।

9. Acc. No. :→ 50537. ध्रुव चरित्र ।

10. Acc. No. :→ 50538. कलजुग पचीसी

11. Acc. No. :→ 50529. सुन्दर सँगार । सुन्दर कवि कृत ।

॥ ६० ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ अथ
ध्रुव चरित्र लिख्यते ॥ गुरगणेश
समनाय सुमरि सारदा मनाउ
जे हरि साध किरपा करै ॥ जदि ह
रि के गुन गाउ ॥ गुन गाये सुख
उपजै दिन दिन बाढै नेह ॥ सि
हरि करै ताकव त्तापाति ॥ भगति
दान देवो मोह ॥ हम गुन गाइये
ध्रुव सु मेरो अपणा राम कृष्ण गुन
गाइये ॥ जो राजा ध्रुव उतानपात
पिपतके जाई ॥ राजा सिं नृमल

केपुत्र कथा कु कहि न जाई ॥ जा किसि घ दिप मे आनि बफे वंसा केनाति ॥ जिनके गुन ह अपार कहा को यबा चेपाति ॥ सब संतन सु बिनति ॥ सबहि सुनु चितलाय तेरब फे नगत के जस कहू ॥ तातेधू कलमे दोघ नसाय ॥ अथ गुन गाइये ॥ धूसु मरो अपरा रामकु सगुन गाइये ॥ राजा के दो नारि अनो मे येक पटरानी ॥ सुरत ये कसि नाहु कछु कर ता की बानी ॥

औरि और पुनि ति ॥ करता कि बारा
दो नारी दो पुत्र है ॥ ध्रू है उत्तम क
वार ॥ ध्रू के जस गाये सु सो ॥ होय
जगत बिस्तार ॥ कृस्न गुन गाय
ये ॥ ध्रु सु मरो अपरगाराम कृस्न गुन
गाइये ॥ सुचार ही चरझूर जहा
राजा जि बैठे ॥ उतम सै अति नेह
कीया ॥ ताते बहु पुछि ॥ ध्रु कुं घिरज
नारयौ ॥ कवर कि मनं सा हो लगी
जे बैठन कुं चल्यो ॥ जबे मादरउ
ठ बोलि ॥ रो हरो हपु त्र क हा जात है

कहातुंम्हारो नाव ॥ हो फकेरो हो से
न्नरो धूबसो बिरायेगाव ॥ कृष्ण
गुनगाईये ॥ धूस्तुमेराअपरणा राम
कीसन गुनगाइये ॥ अकरैये ताके
हाउनमान ॥ हो ऊ राजापैआये ॥
कहनसुननकी बात कहा जे कवर
कहाये ॥ गर्जनमेरैगौतरो जो॥
सरतेसचकाज ॥ हुहागएाकेपर
तै परतनपावेराज ॥ कृष्णगुन
गाईये ॥ धूस्तुमेरो अपरणारामकी
सनगुनगाईये ॥ अकरैनलोबीज

ऐहोय भलो सो षेतनि पावै ॥ स
रउसर हो जाय ॥ तुमरी कैान चला
वै ॥ गर्ज न मेरै भौ तरे । जो सर
ते सब काज ॥ दुहागण के पेट ते पर
तन पावै [illegible] ज ॥ कीसन गुन गाइ
ये ॥ धू सु मेरो अपरणा राम कीसन
गुन गाइये ॥ अकाजि रावत रोत
धू चल्यो जहा बैठी निज माता ॥ ज
रु गहु कै ठउसास ॥ कछु नही आ
वै बातो ॥ रहो रहो मु [illegible] रे पुत्र कोरा
वै नाई ॥ जिन तो रि करि अमान
समो हिदे हबताई ॥ तेरो घर मा

इकहे ॥ मनमैक्रोधानाद तेंअंधर
निजमा पस्यौ ॥ धूकहै बनाय बनाय
की सनगुनगाइये ॥ धूसुमरो आपला
राम ॥ किसनगुनगाइये ॥ बेटासेना
रायनाकि जगत आपकबहूनहिकी
न्हि ॥ ताते जये निरनाग ॥ बिपत आ
पकुं दिन्हि ॥ यौह कलंकनाहिकटै ज
बलग जजैपानराम ॥ रामबिनास
बहुठहे ॥ धूस्रै नयेकै काम कीस
नगुनगाइये ॥ धूसुमरो आपरारा
म ॥ कीसनगुनगाइये ॥ बेटा आर ।

जप्यारै ॥ औरसकलनारायनधपा
ये ॥ औरअरजभूपालअजनकी
नै अधिकाई ॥ देवलोकमथुरा
पुरि ॥ जहांबसैजादुपतिराय ॥
सकलमनोरथपूरवै ॥ धूहरजी
सुचितलाय ॥ कसगुनगाइये
धूसुमरै अपरगारामकसगु
नगाइये ॥ अकजीसातबरसकौ
कवरकछुनहीजानैचोरो ॥ जा
कैवस्तरअंगअनुप ॥ पहरपीतां
वरचोरे ॥ पावपैहनीनाद कंठसोहै

बनमाला ॥ आंटछीन कंठपंरबीनजू
जादोबनीरीसाला ॥ भूषकी सोभ्या
क्याकहे ॥ नैननासकाकोन ॥ प्राग
प्रेमरुचिबाधीकर ॥ धूनषसुषसुंद
रध्याने ॥ कीसनगुनगाइये ॥ अक
जीसुरोसुनितके बचन ॥ जबैधूमथ
राचाले ॥ राजाजपेप्रसंन बिचीबीछ
लैघाले ॥ ईकगावदेगाव ॥ गावद
सहीबीली जे ॥ अर्धराजसर्बराज
माहीसुतपीठनदीजे ॥ ईबहीतैनै
निधनई ॥ औरमनआयोउसवा
स ॥ सुरबीरनहीबाकुडे ॥ भजरामभी

लण की आस॥ की सन गुन गाइये
धूस रे आपणा राम की सन गुन
गाई ये॥ अकरे बगदी आवस्तुत
मानकह्यो तु मेरो॥ यह राजपाट
सन तेरा॥ मा तेरी पटराणी उहन्तु
ब आगे दासी॥ आपणी लोग करत
है हासी॥ राजा औच्या तरणी घा मह्रै
मेरा होय अकाज॥ तम हम ने मधव
ने जाण्यो॥ तम म सब ही करो घर
राज की सन गुन गाइये॥ धूस मेरे
आपणा राम की सन गुन गाईये॥
अकरे बी [illegible] बी चबीच उद्यान॥ बी
च परबत और पाणी॥ बीच बीच बण

संउ ॥ बाचउद्ह बुद्ध की बाणी ॥ बीच बीच
बैहै हस्त ॥ बीच कै रूं बसेरा ॥ भूत परेत
मसाण की ॥ कहै अघट कहै घाट की
संनसु मरपर आतमा ॥ धूउ जउगा
रौनबार ॥ कीसन गुनगाईये ॥ धूसु
मेरा अपरगाराम ॥ कीसनगुनगाईये
अकजी पेहुमे परसीध ॥ कही सुना
रआये ॥ देखदेख नीरदास ॥ जदबा
लकबतलाये कछु पुछा लियो उनमा
न कछु आपन ते जान्यो इहा हि
न दयाल की सन के चरने आ नो
सुकृत सीस पर धर चले हा ए पाय
कलयान न ख सुंदर ध्यान न बताइया

धुताहिमितेजगवान कीसनगुन
गाइये धूसुमरोआपरणाराम कीस
नगुनगाइये हरबृहिसा घूनिति
जहाजमनाजलसोहै सुरनरमु
निजन आदि औरसबनकोमन
मोहे विपलविनोद कहाकहो
कुंजे कुंजनिसध्यान खेसेईस
इउत्तमआतमा धूजीनजिनुको
विसराम कसनगुनगाइये धू
सुमरोआपराराम कीसनगुन
गाइये आकजीधूपुहच्यो मधब
नजाय बीचकोइबिधना ब्यापी

देषहे षनिजठौर जहा आपनै नमनथा
पै जबर धरयो धू ध्यान चरनीतै
तारी लाई आसा मनसा कर्म ना
चीत कहि न जाई बाये बिह और ते
जे सकल आपरो बसि कीनो इंद्री
रसु जीव औची आपरा मेली नो चं
चलते निह चलनया और छाडीत
न की आस गरडु चढे हरि आईया
धू दे षी दे षि निजदास के गुन
गाईये धू तुमरो आपरा राम कर
गुन गाईये गरडु रूप बिवाने चढ
ची च भुज आप [illegible] आये

तेषचरूगहापरमकैतेजदिषा
ये कानैकुंडलमूकटतिलक
किकांतबिराजै अरजानजाके
सुरजनमालगावाजे हरिकिसा
न्पाकेलहू कहालहूपरबारा
ब्रह्मादिकपायोनही धूबडेबडे
सुरगपान कीसनगुनगाइये
धूसूमरोअपरणरामकीसनगु
नगांइये अकरेबचबचजनह
दजनहठजिमकरेछाउदैश्रेचा
तारणी कपत्यबुधकोबोहवरा
केरमुलयनबाय ताकोमुषदेख

नही प्रभुजि घाउ आनेपै जाय़ ॥
अगुनगाइये प्रभुमेरा अपरागा
म ॥ अगुनगाइये प्रभुजिमे अ
चेतजानोनही करोराजकी आस
बरनकव़ लघाउनही मेरहू तुम्हा
रैपास ॥ अगुनगाइये प्रभूमेरा
अपरागाराम ॥ अगुनगाइये अक
रे मागमागेप्र मामराज तेज परताप
छापते रैमनभावै सकल महूरत
आजहै जि रवकिरायुनायेवै ॥ तो
सैकि मैनराखस्यो मेरेबहोतक
ल्पान ॥ प्रभुद्धलमेरा बिरद है

आपसरी खतनाखै

मोहनगतकिआन ऋष गुन
गाइये धूस्‌ मेरोअपणारामके
सगुन गाइये प्रभुजि कहा कंच
न कहा काच कहा हिरा कहा कौ
डी कहा चित्र मुनि आप कहा लो
हा कि लोढी कहा सुरसरि निर क
हा कूवे जल खारि कहा सूर को
तेज कहा आगे गतबिचारी न
गत तुम्हारि गा कल है ऋप नहे
यह राज ईबतोसासा कोनही
प्रभूजि ऋपा करिगोपाल ऋ

सगुनगाईये धूसूमरो अपरादा
न कसगुन गाईये धूकुंदिखावै
कुंठबताय जबेधूह्या सूधायो
कसकीयो अपसोच जबेधूबे
गबुलायो धूमातपीतातमजा
मिलो जबही नगतियोहोय जे
मातपीतातमनामिलो तो नगति
सूफलनहीहोय कसगुनगाई
ये धूसूमेरा अपराराम कसगु
नगाईये अकजीमागबीदाधू
चलो जहाबैठी मातात्रभुमाई

सबकौ करि परणाम बहोतकी
द्रीतुकराई अंनधंन लाछि ली
छमी और सुचरचारे चउरम
उारी मुषकासे व्याकाकेहो
बैटा तै कैसी कबीलसी कसजी
की बाड़ी कास गुन गाईये धूसु
मेरो अपरणारा मे के स गुन गाईये
माता जतरमत रमै वासि काये ही
सकीयेसब डरि सीव्रागोतस
सकहै धूनेरा जादियो मरघ
र के स गुनगाईये धूसु मेरो
अपरणाराम के स गुनगाईये

अकमाताकालयासबिजाउतेोपति
न्पोलोकेबुलाउ सकलदीपनो
षंउ सकलपरलेमै आउ नरना
रीगावे सचनही सचनहीके आनंद
कैमगुनगाइये धूसमरोअ
परागरामकैमगुनगाइये अक
जीचलैचंदअरु सूर चलैतारागी
नसबहि नौग्रहबारारासिनछत्र
कबहूनहिटरहि पैानपानिपरभा
म नैके बिम्रामनपावे निसबास
रउतलैसबे थिरनाहि संसार
मतकोई बंधनबांधिया

धूजानै बिषैसंसार कृस्नगुनगा
इये धूसुमरो अपरनाराम कृस्न
गुनगाइये चतरथ की कथा सं
तमी लीजासे परघर सकलसं
सार सुषदेव ब्यासबषासे सी
वैसुसोपुनिति कोइकथनबा
पै सदारहेनिरोध कोइसिव
नेचाके नरनारीगावैसबै स
नहीकेआनंद आसामनसा
कर्मना धूगावैपरमानंद कृ
स्नगुनगाइये धूसुमरो अपरना
रामकृस्नगुनगाइये